

मेरे हाल दा मरहम तू साईया

मेरे हाल दा मरहम तू साईया,
मेरे हाल दा मरहम तू,
अंदर तू है बहार तू है रोम रोम विच तू,
मेरे हाल दा मरहम तू साईया

तू है दाना तू है बाना सब कुछ मेरा तू वे साईया,
हाल दा मरहम तू साईया मेरे हाल दा मरहम तू साईया

कहे हुसेन फ़कीर निमाना मैं नहीं सब कुछ तू वे साईयां॥
हाल दा मरहम तू साईया मेरे हाल दा मरहम तू साईया,
अंदर तू है बहार तू है ॥ रोम रोम विच तू,
हाल दा मरहम तू साईया मेरे हाल दा मरहम तू साईया,

अपने तन की खाक बुन्दाई तब तेरे इश्क की मंजिल पाई,
मेरी सांसो बने एक तारा आसा ने तनु रब मनाया,
तू माने या न माने दिलदार आसा ते तेनु रब मनया,

तुझ बिन जीना भी क्या जीना तेरी चोकथ मेरा मदीना,
कही और ना सजदा दवारा,आसा ने तनु रब मनाया,
तू माने या न माने दिलदार आसा ते तेनु रब मनया,

तेरे दरवार की नोकरी सबसे वाडिया है सबसे खरी,
जबसे तेरा गुलाम हो गया तबसे मेरा नाम हो गया,
वर्ना औकात क्या थी मेरी सबसे वाडिया है सबसे खरी,

मैं नहीं था किसी का गुलाम ले सहारा तेरे नाम का,
ले सहारा तेरे नाम का बन गी आज किस्मत मेरी,
सबसे बढ़िया है सबसे बड़ी,

साई राम बोलो जी साई श्याम बोलो...

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3954/title/mere-haal-da-marham-tu-saiyan-mere-haal-da-ander-tu-bahar-tu-hai-rom-rom-vich-tu>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |